सेमी कंडक्टर-चिप डिजाइन पर एक साथ काम करेंगे डीएवीवी और ताईवान की टॉप यूनिवर्सिटी

नॉलेज एक्सचेंज व रिसर्च को लेकर होगा टाईअप, डीएवीवी की कमेटी कुलपति के साथ जाएगी ताईवान

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी दो अहम प्रोजेक्ट सेमी कंडेक्टर और चिप डिजाइन पर रिसर्च व नॉलेज एक्सचेंज को लेकर ताईवान की टॉप यूनिवर्सिटी के साथ समझौता करने जा रही है। इस प्रोजेक्ट के तहत दोनों देशों के पीजी व पीएचडी के छात्र भी रिसर्च व नॉलेज शेयरिंग कर सकेंगे। इस प्रोजेक्ट की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मार्च में कुलपति के साथ एक हाईलेवल कमेटी ताईवान जा रही है। कमेटी वहां इस प्रोजेक्ट पर एमओयू साइन करेगी। इसकी शर्तें भी तय होंगी।

डीएवीवी के तीन टीचिंग विभाग स्कूल ऑफ डेटा साइंस, स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस व इंजीनियरिंग विभाग इससे जुड़ेंगे। इन विभागों के प्रोफेसर व पीजी छात्र ताईवान की कुछ चुनिंदा शैक्षणिक संस्थाओं, रिसर्च सेंटर व यूनिवर्सिटी के साथ सेमी कंडक्टर व च्रिप डिजाइन की आधुनिक रिसर्च पर एक साथ काम करेंगे। न केवल एक-दूसरे की लैब उपकरण, डेटा व रिसर्च कंटेंट की शेयरिंग होगी, बल्कि भविष्य में पीएचडी रिसर्च के लिए भी वहां के छात्र यहां आएंगे और यहां से वहां जा सकेंगे। यूनिवर्सिटी ने ताईवान के एजुकेशन डिवीजन ताईपे इकोनॉमिक एंड कल्चरल सेंटर के साथ इस पर प्रारंभिक दौर की चर्चा पूरी कर ली है।

रिसर्च पर फोकस, किसी प्रोजेक्ट के पूरा होने तक जुड़े रहेंगे

दरअसल, यूनिवर्सिटी इस बार आम तौर पर होने वाले एमओयू और टाइअप से अलग हटकर बड़े प्रोजेक्ट पर काम करना चाहती है। यही वजह है कि कुलपति के साथ सीनियर प्रोफेसरों की पूरी टीम ताईवान जा रही है। जानकारी अनुसार दोनों प्रोजेक्ट सेमी कंडक्टर-चिप डिजाइन की भविष्य की उपयोगिता पर विस्तृत रिसर्च होगी। दोनों जगह के चुनिंदा प्रोफेसर व छात्र इससे जुड़ेंगे। कुछ शर्तों के साथ इस पर काम होगा। खास बात यह है कि जब तक रिसर्च किसी नतीजे पर नहीं पहुंचेगी, यह समझौता जारी रहेगा।

मालवा की संस्कृति और इतिहास से भी अवगत करवाएंगे

यूनिवर्सिटी के अधिकारियों के अनुसार मालवा की अनूठी परंपराओं, संस्कृति और विरासत को भी ताईवान तक पहुंचाया जाएगा। वहां के युवाओं को भारतीय संस्कृति, यहां की नृत्य कला, संस्कार व ऐतिहासिक विरासत के बारे में बताया जाएगा। वहां की संस्कृति और परंपराओं से भी डीएवीवी के छात्रों को अवगत करवाएंगे। इसके लिए स्टूडेंट व फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू होगा।

नए सत्र से इस पर काम शुरू हो जाएगा

जानकारी अनुसार डीएवीवी ने प्रस्ताव वहां एंबेसी को भेजा था। हरी झंडी मिलने के बाद अब यहां से हाईलेवल कमेटी वहां जा रही है। डीएवीवी के डीसीडीसी (डायरेक्टर ऑफ कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल) डॉ. राजीव दीक्षित के अनुसार यह अहम रिसर्च प्रोजेक्ट है। इसके लिए ताईवान के साथ एमओयू होगा। संभवतः नए सत्र के साथ ही इस पर काम भी शुरू हो जाएगा।

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम
19, महात्मा गांधी मार्ग, मण्डल कार्यालय, इन्दौर
ग्रामीण वृत्तिक अभिकर्ताओं की भर्ती
(जनवरी 2024 से जून 2024 तक के भर्ती चक्र हेतु)
भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा ग्रामीण वृत्तिक अभिकर्ताओं के रूप में अपने क्षेत्र में कार्य करने के लिए इच्छुक, उत्साही एवं कर्मठ व्यक्तियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
1. **शैक्षणिक योग्यता :** दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।
2. **आयु सीमा :** 18 से 35 वर्ष। (अ.जा. / अ.ज.जा. / भूतपूर्व सैनिकों से संबंधित अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

लीवर क्लीनिक Apollo HOSPITALS
LIVER DISEASES & TRANSPLANTATION INSTITUTE